

পরজ। ত্রিতাল

তব প্রেমসুধারসে মেতেছি,
 ডুবেছে মন ডুবেছে ॥
 কোথা কে আছে নাহি জানি—
 তোমার মাধুরীপানে মেতেছি,
 ডুবেছে মন ডুবেছে ॥

স্বাঃ -পঃ ॥ { গা -১ -১ স্বা | দা না সা সা |
 ত . ব . . প্রে ম সু ধা র

১ ২ ২
 I সর্ষা -নর্ষা -১ -১ | (-১ -১ স্বাঃ -পঃ) } | -১ -১ না দা | না -১ -১ -১ | -১ -১ স্বা দা |
 সে ত মে তে ছি ডু বে

I নর্ষা -র্ষা -নর্ষা -১ | -১ না স্বা -১ | -দা -১ -১ না | -১ -১ -নর্ষা না |
 ছে ম ন ডু বে

I স্বা -১ -১ -১ | -গস্বা -গস্বাপা স্বাঃ -পঃ ॥
 ছে "ত ."

II -১ -১ -১ -১ | { দা দা -পস্বা দা | না -১ সা -১ |
 কো থা কে আ . ছে .

I -১ না -১ সা | ষা -নর্ষা না -১ } | -১ গগা গা গা | স্বা -দা না -সা |
 . না . ছি জা নি তোমা র মা ধু . রী .

I নর্ষা -র্ষা ষা -নর্ষা | -১ -১ না দা | না -১ -১ -১ | -১ -১ স্বা দা |
 পা নে মে তে ছি ডু বে

I नर्सा -नर्सा -नर्सा -। | -। ना न्ना -। | -दा -। -। ना | -। -। -नर्सा ना I
छे. म न डू बे
.

I न्ना -। -। -। | -गन्ना -गन्नापा न्नाः -पः II II
छे "त ."